

बिहार में जारी हुआ जातीय आधारित सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

2 अक्टूबर, 2023 को बिहार में विकास आयुक्त वविक कुमार सहि ने प्रेस कांफ्रेंस कर जातीय गणना के आँकड़े जारी किये ।

प्रमुख बिंदु

- आँकड़ों के अनुसार राज्य में अत्यंत पछिड़ा व पछिड़ा वर्ग की आबादी 63% है । इनमें पछिड़ा वर्ग 27.12 व अत्यंत पछिड़ा वर्ग 36.01% है । वहीं अनुसूचित जाति 19.65% और अनुसूचित जनजाति 1.68% है, जबकि अनारक्षित (हिंदू व मुसलमान) की संख्या कुल आबादी का 15.52% है । उनमें सवर्ण (भूमिहार, ब्राह्मण, राजपूत व कायस्थ) 10.56% हैं
- जातीय गणना के प्रथम चरण में घरों के सर्वे की प्रक्रिया 7 जनवरी, 2023 से शुरू हुई । इसे 31 जनवरी तक पूरा किया गया । दूसरा चरण 15 अप्रैल से 15 मई तक चलना था, कति 4 मई को हाईकोर्ट के आदेश पर गणना कार्य रुक गया । हाईकोर्ट ने 1 अगस्त को हरी झंडी दी ।
- 11 साल में 2.66 करोड़ की वृद्धि के साथ राज्य की आबादी 13 करोड़ 7 लाख हो गई है । वहीं जाति आधारित गणना की जारी रिपोर्ट में जातियों की संख्या 214 बताई गई है ।
- उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद पहली बार देश में किसी राज्य में जातीय आधारित सर्वेक्षण जारी हुआ । बिहार के पहले कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा आदि राज्यों ने जातीय गणना की पहल किये थे, लेकिन वे रिपोर्ट जारी नहीं कर सके थे ।





PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/caste-based-survey-released-in-bihar>

